प्रेस नोट

सराहनीय कार्य कानपुर देहात
दिनांक- 27.11.2024

- **थाना अकबरपुर पुलिस टीम द्वारा थाना अकबरपुर के ग्राम स्वरुपपुर जैनपुर निवासी युवक को उधार के पैसे देने के बहाने बुलाकर स्कूटी, पैसे व घड़ी लूट लेने के बाद युवक को कानपुर ले जाकर हत्या कर देने की घटना का कि या गया सफल अनावरण।**
- **घटना को अंजाम देने वाले 03 नफर अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार।**
- **अभियुक्तगण के कब्जे से 01 अदद लूटी गयी स्कूटी नं0- UP77AP1641 की गयी बरामद।**

कृपया अवगत कराना है कि अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन, कानपुर श्री आलोक सिंह व पुलिस उपमहानिरीक्षक कानपुर रेन्ज, कानपुर श्री जोगेन्द्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात श्री बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में जनपद कानपुर देहात में अपराध नियन्त्रण की दिशा में घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान "जागते रहो" के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी अकबरपुर के कुशल नेतृत्व में थाना अकबरपुर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए दिनांक 17.11.2024 को ग्राम स्वरुपपुर जैनपुर के रहने वाले सूरज तिवारी पुत्र रामलखन तिवारी को पड़ोस के घर में किराये पर रहने वाले कल्लू उर्फ राकेश गुप्ता द्वारा अपने उधार के पैसे लेने हेतु रनियां बुलाया गया था, जहां से सूरज तिवारी दूसरे दिन तक वापस नहीं आया जिस पर सूरज तिवारी के परिजनों द्वारा काफी ढूंढने का प्रयास किया तथा जब सूरज तिवारी का कहीं कुछ पता नहीं चला तो सूरज तिवारी के भाई सौरभ तिवारी द्वारा दिनांक 18.11.2024 को थाना अकबरपुर पर सूरज की गुमशुदगी लिखवायी थी। दिनांक 18.11.2024 की रात्रि में कमिश्नरेट कानपुर के थाना सेन पश्चिम पारा में एक अज्ञात मृतक का शव लावारिस हालत में मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी जिसकी फोटो देख कर सूरज के भाई सौरभ तिवारी ने पहचान की और उ0नि0 रामकिशुन वर्मा के साथ जाकर मृतक शव की अपने छोटे भाई सूरज तिवारी पुत्र रामलखन तिवारी के नाम से पहचान की। प्राप्त सूचना व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर थाना अकबरपुर पर मु0अ0स0 556/2024 धारा 103/238/309(6)/3(5)/61(2) बीएनएस 2023 बनाम कल्लू व उसके अज्ञात साथियों के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। विवेचना के क्रम में सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस व अन्य साक्ष्य संकलन के आधार पर नामित आरोपी 1. कल्लू उर्फ राकेश गुप्ता को व घटना में कल्लू का सहयोग करने वाले उसके अन्य 02 साथियों 2. संजय सिंह परिहार पुत्र चन्द्रपाल परिहार निवासी सिरौली बुजुर्ग थाना भरूआ सुमेरपुर जनपद हमीरपुर 3. आशीष उर्फ राज पुत्र धीरेन्द्र सिंह निवासी तुर्कीमऊ थाना मूसानगर जनपद कानपुर देहात हाल पता नई बस्ती स्वरूपपुर जैनपुर थाना अकबरपुर जनपद कानपुर देहात को ग्राम बारा स्थित मुरादाबादी बिरयानी के सामने सर्विल लेन से आज दिनांक 27.11.2024 को मय 01 अदद लूटी गयी स्कूटी नं0- UP77AP1641 के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

पूछताछ विवरण:- अभियुक्तगण से पूछताछ करने पर आशीष व संजय मौन रहे तथा कल्लू उर्फ राकेश द्वारा बताया गया कि दिनांक 17.11.2024 को हम लोगों ने पार्टी की और शराब पी उसके बाद आशीष ने मुझसे घर के बगल के पड़ोसी सूरज तिवारी पुत्र रामलखन तिवारी को बुलाने के लिए कहा। चूंकि सूरज तिवारी व मेरे बीच अक्सर पैसों का लेन देन होता रहता था इसलिए मैं उसे अच्छी तरह से जानता था और सूरज तिवारी भी मुझे अच्छे से जानता था तथा सूरज तिवारी ने मुझे लगभग 40,000 रूपये उधार दे रखे थे तो आशीष उर्फ राज के बातों में आकर उस दिन शाम के वक्त मैनें सूरज तिवारी को फोन करके उसे उसके उधारी के पैसे देने के बहाने से जिस होटल पर हम लोग रूके थे उसी होटल पर बुलाया किन्तु मुझे इस बात का बिल्कुल भी अन्दाजा नहीं था कि आशीष उर्फ राज ने सूरज तिवारी को किसलिए लिए बुलवाया है। मेरे बुलाने पर सूरज तिवारी अपनी स्कूटी से उमरन ढाबा से आगे मधुकर फ्लोर मिल प्रा0लि0 फैक्ट्री के सामने आकर फोन किया जिसे हमने कानपुर की तरफ जाने वाले रोड पर सड़क किनारे खड़ी इको वैन एम्बुलेंस की तरफ बुलाया तो सूरज तिवारी ने अपनी स्कूटी उमरन ढाबे की तरफ सर्विस लेन के किनारे खड़ी कर दी और दूसरी तरफ खड़ी गाड़ी इको वैन एम्बुलेंस के पास आ गया । उसे हम लोगों ने एम्बुलेंस में बैठा लिया उस समय एम्बुलेंस में मैं, आलोक, अनुज व एक व्यक्ति जिसका नाम देवेश निवासी हमीरपुर व छंगू निवासी जैनपुर थे तथा नीचे वहीं एम्बुलेंस के पास आशीष उर्फ राज एवं उसका मामा संजय बुलेट मोटरसाइकिल से खड़े थे। एम्बुलेंस में बैठते ही सूरज का मोबाइल आलोक ने ले लिया और फिर गाड़ी स्टार्ट करके उसको लेकर हम सभी लोग कानपुर की तरफ चल दिए तथा आशीष उर्फ राज और उसका मामा संजय बुलेट मोटरसाइकिल से पीछे पीछे चलने लगे। हम लोग काफी शराब के नशे में थे सूरज तिवारी गाड़ी से उतरने का प्रयास करने लगा तभी जबरदस्ती गाड़ी में बैठे सभी लोगों ने मिलकर उसका मुंह और हाथ बांध दिया ताकि चिल्ला न सके उसके बाद एम्बुलेंस गाड़ी चलाने वाले चालक कई गलियों से घुमाता घुमाता सेन पश्चिम पारा से आगे बढ़कर गांव ओरछी ढोकहा सेन पूरब पारा के पास सुनसान जगह पर झाड़ियों से घिरे खाली खेत में सूरज तिवारी को गाड़ी से उतारकर हम सभी लोगों ने क्रमशः मैं कल्लू उर्फ राकेश गुप्ता, आलोक यादव, अनुज, देवेश, आशीष उर्फ राज, संजय, छंगू ने घेरा बनाकर सूरज तिवारी को जमीन पर घुटनों के बल बैठा दिया उसकी आंख पर रूमाल से पट्टी बंधी थी व हाथ पीछे बंधा था, वह चिल्लाने की कोशिश कर रहा था परन्तु मुंह में कपड़ा बंधे होने से आवाज नहीं आ रही थी। आलोक ने अचानक तमंचा निकाल कर सूरज तिवारी पर तान दिया तथा एक, दो, तीन की गिनती गिनी और तीन पर आलोक ने सूरज तिवारी के सिर पर गोली चला दिया जो वहीं जमीन पर गिर गया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। सूरज तिवारी के जेब में पड़े रूपयों को व घड़ी को अनुज ने निकाल लिया। मृतक सूरज तिवारी के मोबाइल से कुछ पैसे आलोक यादव व अनुज ने अपने अकाउंट में भी ट्रांसफर किया था। फिर उसकी लाश को वहीं छोड़कर हम लोग वापस उसी एम्बुलेंस से व आशीष उर्फ राज व संजय बुलेट से वापस रनियां स्थित डिजायर होटल पर आ गये। जहां से जाकर सूरज तिवारी की स्कूटी को मैनें और आशीष ने झाड़ियों में छिपा दिया था। फिर हम लोग बारा जोड़ से पहले सड़क किनारे बने डिजायर होटल के कमरा नंबर 103 में सभी सात लोगों ने बैठकर बिरयानी खाई और शराब पी उसके बाद उसी गाड़ी से फिर हम सभी लोग पुनः कानपुर नौबस्ता पहुंचे और अपने मौसी के लड़के विकास को जो अंडे का ठेला लगाता है जबरदस्ती गाड़ी में उठाकर लाद लिए और पुनः वापस रनियां उसी होटल में आए जहां होटल वाले ने कमरा नहीं दिया तो नवीपुर होते हुए उसको लेकर हमीरपुर पहुंच गये हम लोग काफी शराब के नशे में थे जब थोड़ा होश आया तो देखा कि जिसको विकास समझकर हम लोगों ने उठाया था वह विकास नहीं था कोई और था जो अपना नाम राजा राजपूत बता रहा था, नशे में हम लोग विकास की जगह उसके बगल में खड़े ठेला वाले को उठा लाए थे। विकास को सिर्फ मैं ही पहचानता था बाकी लोगों को सिर्फ मैनें बताया था कि नौबस्ता में वह अंडे की ठेलिया लगाता है मौके पर शराब के नशे में होने के कारण मैं भी नहीं जान पाया और उसकी जगह किसी दूसरे राजा राजपूत को उठा ले आये थे। फिर सुबह हम लोगों ने उसे छोड़ दिया था। तबसे हम लोग लगातार इधर उधर भागते रहे एक जगह नही रूक रहे थे। आज हम लोग स्कूटी को बेचने के नियत से लेकर हमीरपुर जा रहे थे कि एकाएक हाइवे पर सामने पुलिस वालों को अचानक देख कर हम डर गये और भागने का प्रयास किये किन्तु आप लोगों ने हमें पकड़ लिया।

गिरफ्तार अभियुक्तगण का नाम पता-

1. संजय सिंह परिहार पुत्र चन्द्रपाल परिहार निवासी सिरौली बुजुर्ग थाना भरूआ सुमेरपुर जनपद हमीरपुर ।
2. आशीष उर्फ राज पुत्र धीरेन्द्र सिंह निवासी तुर्कीमऊ थाना मूसानगर जनपद कानपुर देहात हाल पता नई बस्ती स्वरूपपुर जैनपुर थाना अकबरपुर जनपद कानपुर देहात।

3. कल्लू उर्फ राकेश गुप्ता पुत्र रामचन्द्र निवासी अमौली थाना जाफरगंज जनपद फतेहपुर हाल पता पेप्सी चैराहा स्वरूपपुर जैनपुर थाना अकबरपुर जनपद कानपुर देहात।

अभियुक्तगण का आपराधिक इतिहास-

1. मु0अ0स0 556/2024 धारा 103(2)/238/309(6)/3(5)/61(2)/127(2)/317(2) बीएनएस 2023 थाना अकबरपुर कानपुर देहात।

बरामदगी का विवरण -

1. 01 अदद लूटी गयी स्कूटी नं0- UP77AP1641 इलेक्ट्रिक

गिरफ्तार करने वाली थाना अकबरपुर पुलिस टीम का विवरण-

1. प्र0नि0 श्री सतीश कुमार सिंह
2. नि0 श्री राकेश कुमार
3. हे0का0 09 प्रवीण कुमार
4. हे0का0 सुशील गौर
5. का0 363 बृजवासी
6. का0 721 सर्वेन्द्र कुमार